



अतीत की विरासत, वर्तमान की शक्ति और भविष्य का स्वप्न

■ महिमा सामंत

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान, एकता का सूत्र और जनमानस की आत्मा है। यह वह माध्यम है जिसमें संतों की वाणी, कवियों की भावनाएँ, कथाकारों की दृष्टि और स्वतंत्रता सेनानियों का जोश एक साथ बहता है। हिन्दी दिवस, जो प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है, हमें इस भाषा के ऐतिहासिक महत्व और भविष्य की संभावनाओं की याद दिलाता है। 1949 में संविधान सभा द्वारा हिन्दी को देवनागरी लिपि में राजभाषा का दर्जा दिया जाना न केवल प्रशासनिक निर्णय था, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता का सांस्कृतिक प्रतीक भी था।

हिन्दी की जड़ें बहुत गहरी और विस्तृत हैं। इसका विकास संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश से होते हुए मध्यकाल में अवधी, ब्रज और खड़ी बोली जैसे स्वरूपों में हुआ। भक्ति युग में कबीर, तुलसीदास, सूरदास और मीरा बाई जैसे कवियों ने इसे जन-जन की भाषा बनाया। आधुनिक काल में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और प्रेमचंद ने इसे सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उदन्त मार्तण्ड जैसे अखबारों ने हिन्दी को एक नई दिशा दी। स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी ने हिन्दी को 'जन-संपर्क की भाषा' बताते हुए इसे आंदोलन के केंद्र में रखा, जिससे यह राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बन गई।

14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा में पारित प्रस्ताव ने हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया। अंग्रेज़ी को 15 वर्षों तक सह-भाषा बनाए रखने का निर्णय भी लिया गया, ताकि प्रशासनिक कामकाज में संतुलन बना रहे। यह एक दूरदर्शी नीति थी जिसने बहुभाषी भारत में एकता और कार्यकुशलता

को सुनिश्चित किया। हिन्दी दिवस इस ऐतिहासिक घटना का स्मरण मात्र नहीं, बल्कि भाषा के विकास और प्रसार के प्रति नए संकल्प का अवसर है।

आज हिन्दी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत के अलावा नेपाल, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद-टोबैगो, गुयाना, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका में भी हिन्दी बोलने वाले समुदाय मौजूद हैं। शिक्षा, शोध और मीडिया में हिन्दी की भूमिका लगातार बढ़ रही है। विज्ञान, तकनीक और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हिन्दी माध्यम के पाठ्यक्रम और शोध कार्य उपलब्ध हो रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी हिन्दी कंटेंट और विज्ञापन भारतीय बाज़ार के सबसे बड़े उपभोक्ता वर्ग तक पहुँचते हैं। फिल्मों, टीवी, और सोशल मीडिया ने हिन्दी को वैश्विक दर्शकों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हिन्दी केवल साहित्यिक मंचों या सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित न रहकर, हमारे संपूर्ण शिक्षा-तंत्र का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए। यदि विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ना है और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है, तो प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्च माध्यमिक, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक हिन्दी विषय को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए।

तकनीक ने हिन्दी को नई गति दी है। ई-लर्निंग और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में हिन्दी में पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। अनुवाद तकनीकें हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय संवाद से जोड़ रही हैं।

नई पीढ़ी के लिए हिन्दी के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। अंग्रेज़ी के बढ़ते प्रभुत्व और शहरी क्षेत्रों में औपचारिक हिन्दी लेखन में गिरावट चिंता का विषय है। तकनीकी शब्दावली में एकरूपता की कमी भी एक बाधा है। लेकिन अवसर

भी अनेक हैं-तकनीकी, वैज्ञानिक और व्यवसायिक शब्दावली का विकास, मोबाइल एप्स, डिजिटल गेम्स और ऑडियोबुक्स में हिन्दी का बढ़ता उपयोग, तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में वास्तविक समय अनुवाद तकनीक के माध्यम से हिन्दी को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की संभावना। 2050 तक हिन्दी वैश्विक डिजिटल भाषाई समुदायों में अग्रणी हो सकती है। इसके लिए उच्चारण, लिप्यंतरण और शब्दावली में मानकीकरण की आवश्यकता है। साथ ही, दूर, वाँयस रिकग्निशन और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों में हिन्दी का समावेश होना

चाहिए। विदेशों में हिन्दी अध्ययन केंद्रों की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके शिक्षण-प्रशिक्षण को बढ़ावा देना भी ज़रूरी है।

हिन्दी दिवस को केवल औपचारिक भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित न रखकर इसे रचनात्मक और प्रभावशाली तरीकों से मनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, 24 घंटे का ऑनलाइन 'हिन्दी डिजिटल मैराथन' आयोजित किया जा सकता है, जिसमें देश-विदेश के हिन्दी लेखक, पत्रकार और विद्यार्थी जुड़ें। वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों के हिन्दी रूप खोजने की प्रतियोगिताएँ भाषा को आधुनिक संदर्भ में समृद्ध करेंगी। हिन्दी आधारित एप्स और डिजिटल टूल्स के प्रदर्शन के लिए 'हिन्दी इनोवेशन फेयर' आयोजित किया जा सकता है। अन्य भाषाओं के प्रसिद्ध अंशों का रचनात्मक हिन्दी अनुवाद कराने की गतिविधि भी रोचक होगी। युवाओं को आकर्षित करने के लिए हिन्दी में मीम प्रतियोगिता और साहित्यिक गेम्स बनाए जा सकते हैं। पुस्तकालयों, कॉलेजों और क्लबों में हिन्दी पुस्तकों का आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है। इसके साथ ही, उद्यमियों को केवल हिन्दी में अपने विचार प्रस्तुत करने का मंच देकर व्यवसायिक जगत में भी हिन्दी का उपयोग बढ़ाया जा सकता है।

हिन्दी दिवस और हिन्दी का महत्व एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। लेकिन असली उद्देश्य केवल अतीत की गौरवगाथा सुनाना नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भाषा को जीवंत और प्रासंगिक बनाए रखना है। तकनीक, रचनात्मकता और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ जब हिन्दी आगे बढ़ेगी, तभी यह अतीत की विरासत से निकलकर भविष्य की शक्ति बन पाएगी।

अविश्वास

■ रविशंकर सिंह

एक आदिवासी गांव। एसडीओ अपनी टीम और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ वहां मौजूद थे। उन्होंने गांववालों की ओर देखकर मुद्दु स्वर में कहा, 'आप सबको साक्षरता अभियान के तहत पढ़ना-लिखना सिखाया गया है, है न ?' सामाजिक कार्यकर्ताओं आत्मविश्वास से कहा, 'जी हां, सर! हमने यहां के कई आदिवासी भाइयों और बहनों को अक्षर ज्ञान दिया है।

एसडीओ ने मुस्कराकर सिर हिलाते हुए कहा, 'बहुत अच्छा! तो क्यों न हम इसकी पुष्टि कर लें?' सरकारी कर्मचारी आगे बढ़े। उन्होंने आदिवासियों को कागज और कलम थमा दिया। कुछ पल बीते। फिर कुछ और पल। कोई नहीं लिख रहा था।

एसडीओ ने असमंजस भरी नजरों से गांववालों को देखा। एक सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा, 'अगर आप लोग कागज पर नहीं लिखना चाहते तो कोई बात नहीं। लीजिए, ये लकड़ी के टुकड़े हैं। जमीन पर अपना नाम और पता लिखिए।'

इस बार कोई हिचकिचाहट नहीं हुई। गांव के लोगों ने झटपट लकड़ी के टुकड़े उठाए और जमीन पर अपना नाम-पता उकेर दिया।

एसडीओ ने आश्चर्य जताते हुए कहा, 'ज़तो आपको सच में लिखना आता है! फिर आपने कागज पर लिखने से मना क्यों किया?'

भीड़ से एक बूढ़ा आदमी आगे बढ़ा। वह शांत लेकिन दृढ़ स्वर में बोला, 'क्योंकि हमें आप लोगों पर विश्वास नहीं है।'

एसडीओ चौंक गए, 'क्या मतलब?'

बूढ़े की आंखें गीली हो गईं, 'आप लोग कोरे कागज पर हमारा नाम-पता लिखवा लेते हैं, फिर उसी कागज के सहारे हमारा जंगल, हमारी जमीन और हमारा पानी छीन लेते हैं। अब वह गलती नहीं करेंगे।'

एसडीओ के पास उत्तर नहीं था।



बीड़ी

■ विनोद दास

कान पर रखो अधजली बीड़ी

वह अपने दाएँ हाथ में लेता है
और बेचैनी से इर्द-गिर्द देखता है

वह बेहद परेशान है
उसे आस-पास कहीं आग दिखाई नहीं देती

और मैं चकित हूँ
कि आग उसके भीतर है

और वह उसे देख नहीं पा रहा है
दोष उसका नहीं है

मैं सोचता हूँ
वक्त इतना ख़राब आ गया है

और चीज़ें इतनी अस्पष्ट हो गई हैं
वह भला क्या

किसी की भी आँखों में
मोतियाबिंद झिलमिला सकता है

सहसा एक सुर्ख बिंदी दिखाई देती है
वह उसकी तरफ़ रपटता है

किंतु सिगरेट को देखते ही
उसके हाथ की बीड़ी डटकर

उसकी उँगलियों से और अधिक सट जाती है
यह ठंड की रात है

और ठंड
बीड़ी के तंबाकू तक पहुँच गई है

सामने से बीड़ी पीता एक आदमी आता है
अधजली बीड़ीवाला उसे रोकता है

बीड़ी से बीड़ी मिलती है



आग से आग फैलती है

मुझे लगता है
जैसे गुपचुप कोई तैयारी चल रही है

अब बीड़ियाँ सुलग गई हैं
और चमक रही हैं अंधेरे में

गमछे की गंध

■ ज्ञानेन्द्रपति

गुप्त
संकेत

चोर का गमछा
छूट गया
जहां से बक्सा उठाया था उसने,
वहीं-एक चौकोर शून्य के पास
गेंडुरियाया-सा पड़ा चोर का गमछा
जो उसके मुंह ढंकने के आता काम
कि असुर्यमश्या वधुएं जब, उचित ही, गुप्त हो गई हैं इतिहास में
चोरों ने बमुरिकल बचा रखी है मर्यादा
अपनी ताड़ती निगाह नीची किए
देखते, आंखों को मैलानेवाले
उस गर्दखोरे अंगोछे में
गन्ध है उसके जिस्म की
जिसे सूंघ/पुलिस के सुधिनिया कुत्ते
शायद उसे ढूँढ निकालें
दसियों की भीड़ में
हमें तो
उसमें बस एक कामगार के पसीने की गन्ध मिलती है
खटमिट्टी
हम तो उसे सूंघ/केवल एक भूख को
बेसंभाल भूख को
ढूँढ निकाल सकते हैं



उड़ान पर है प्रेम

मैंने अपनी बाहों में भर लिया है आकाश
जिसमें उड़ रही हो तुम
तुम्हारी उड़ान
मेरे स्वप्नों की उड़ान है



बादलों के फाहे से पोछते हुए
तुम्हारी पुतलियों को
हटा रहा हूँ नमी का धुंधलका
चाहता हूँ उड़ते हुए
पार कर जाओ मेरे बाहों में भर हुए आकाश को
तलाश लो अपना आकाश

अपनी उड़ान
कभी भी स्थगित मत करना
उड़ते-उड़ते थक जाओ तो
उतर जाना चंद्रमा पर
वहाँ हमारी बेचैनी और इंतजार के
सबूत स्वागत करेंगे तुम्हारा

तंत्र
सत्य तभी तक सत्य

जब तक झूठ है

गति तभी तक गति
जब तक ठहराव है

प्रकाश तभी तक प्रकाश
जबतक अंधकार है

जीवन तभी तक जीवन
जबतक मृत्यु है

हम तभी तक हम
जबतक तुम हो

हमदोनों का होना ही एक लोक है
इस लोक में हम दोनों कितना-कितना
यह इस तंत्र का सुख-दुःख।

बोनसाई

हमारी यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की है
ऋषि-मुनियों ने दिया था



कविताएं

यह ज्ञान

विज्ञान के सहारे
समझा इसे और भी बेहतर
साक्षात्कार हुआ परमाणु ऊर्जा से

सर्वाधिक ऊर्जा है सूक्ष्म में
पता चलते ही
हम सब दीड़ पड़े सूक्ष्म की तरफ़

और बदल गए बोन्साई में
अब हमारे पास गमले भर धरती है
बिते भर का कद
सजे हुए हैं हम
दलान से शयन कक्ष तक।

अनुवाद

सबसे कठिन कर्म है अनुवाद
कभी भी नहीं होता
मूल जैसा हूबहू



अनुवाद में कपड़े की तरह बदल जाती है भाषा
शरीर की तरह तैयार हो जाती है
अर्थ की संरचना

लेकिन भाव कभी भी नहीं
उतर पाता हूबहू
एक आभासी दुनिया में
अपनी भाषा के इन्तजार में बैठे भाव
अनकहे के मर्म को विदा करते रहते हैं

और मूल
धरती की सुगन्ध को हेरते हुए
सभ्यता की गुफाओं में गुप्त हो जाता है।



■ प्रदीप मिश्र

प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का सपना करेंगे पूरा : मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय डेंटल कॉन्फेंस का किया शुभारंभ
- मानव मुस्कान को सुरक्षित रखने और सहेजने में दंत चिकित्सकों की भूमिका महत्वपूर्ण

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय डेंटल कॉन्फ्रेंस 2025 का किया शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ हम विकसित छत्तीसगढ़ का सपना साकार करेंगे। पिछले 20 महीनों में प्रदेश की स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवाओं को मजबूत करते हुए दुर्गम अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है।

मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित तीन दिवसीय डेंटल कॉन्फ्रेंस 2025 का शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दंत चिकित्सा और दांतों की देखभाल से जुड़े उपयोगी उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा डेंटल एसोसिएशन की वार्षिक स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार बनने के पहले दिन से ही हमने प्रदेशवासियों के

स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति दी गई है, साथ ही फिजियोथैरेपी, नर्सिंग और मदर-चाइल्ड हॉस्पिटल जैसे संस्थानों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ के साथ ही हम प्रगति की भी बात कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। वर्ष 2000 में जहां केवल एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं आज 15 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री वय वंदना योजना से मरीजों और बुजुर्गों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है। वहीं, सस्ती जेनेरिक दवाइयां आम जनता को राहत प्रदान कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कैसर जैसी गंभीर बीमारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पान मसाला, गुटखा और तंबाकू की वजह से मुँह के कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि

दांतों की देखभाल और सुंदर मुस्कान देने में दंत चिकित्सकों की अहम भूमिका है। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि इस दिशा में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए।

श्री साय ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश का जीएसडीपी 5 लाख करोड़ है, जिसे वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इस दिशा में हम पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और परिश्रमी जनता इसकी असली ताकत हैं। च्छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़ियाऊ की कहावत को दोहराते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश 2047 तक अपने लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त करेगा।

जीएसटी सुधारों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में जीएसटी के स्लैब को 5 और 18 प्रतिशत में एकरूप किया गया है। इससे व्यापार और कृषि क्षेत्र को लाभ मिलेगा तथा व्यावसायिक गतिविधियों सरल होंगी। यह प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि को



अम्बेडकर अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में एक और विदेशी युवती का सफल ऑपरेशन

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। प्रदेश का सबसे बड़ा पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं इससे संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय लगातार अपनी उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं से न केवल प्रदेश और देश बल्कि विदेशों से आए मरीजों का भी भरोसा जीत रहा है। अनुभवी डॉक्टरों की टीम एवं उपचार प्राप्त करने की सरलतम प्रक्रिया के कारण यह अस्पताल सर्वाधिक विश्वसनीय संस्थान के रूप में अपनी पहचान व्यापक स्तर पर दर्ज कर चुका है। इसी क्रम में हाल ही में अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में रवांडा (ईस्ट अफ्रीका) की 20 वर्षीय युवती को लेफ्ट ब्रेस्ट के बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया गया। जनरल सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह के नेतृत्व में हुए इस ऑपरेशन की विशेषता यह रही कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद मरीज के भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इस सर्जरी का कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा।

निष्ठा और समर्पण का प्रमाण है। मैं पूरी टीम को इस सफलता के लिए बधाई देता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि हमारा संस्थान आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करता रहेगा।

अम्बेडकर अस्पताल के सर्जरी विभाग की इन उपलब्धियों ने यह साबित कर दिया है कि सरकारी अस्पतालों की सेवाएँ न केवल सुलभ और किफायती हैं बल्कि उच्चस्तरीय गुणवत्तापरक भी



- 20 वर्षीय युवती के ब्रेस्ट के बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर की सफल सर्जरी
- ईस्ट अफ्रीका के देश रवांडा की रहने वाली है मरीज
- इससे पहले लाइटलेम्बा, क्रिसेंट (दक्षिण अफ्रीका) की युवती का हो चुका है सफल उपचार

खैरागढ़ के दाऊचौरा में डायरिया का प्रकोप

- नालियां जाम, जंग लगी पाइपलाइन: कब जागेगा प्रशासन?



न होना ही इस महामारी की असली वजह है।

स्थिति तब और गंभीर हो गई जब विधायक यशोदा वर्मा के गृहग्राम देवारीभाँटे से बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल पहुंचे। हालात का जायजा लेने विधायक स्वयं सिविल अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने मरीजों से

बातचीत कर हाल जाना और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर इलाज तथा साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पीएचई विभाग की लापरवाही पर नाराजगी भी जताई और विभाग को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की चेतावनी दी।

विभागीय योजनाओं का असर धरातल पर दिखना चाहिए: अरुण साव

- उप मुख्यमंत्री ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की
- 'वीमेन फॉर ट्री' के तहत नगरीय निकायों में लगाए जा रहे 1.66 लाख पौधे



रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों को हर कार्य की पूर्णता के लिए समय-सीमा तय कर योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने गौधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साव ने नगरीय निकायों में निर्माणाधीन अटल परिसरों और नालंदा परिसरों के निर्माण में भी तेजी लाने को कहा। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक आर. एक्का भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में कहा कि विभाग द्वारा लगातार नवाचार के कार्य किए जा रहे हैं। नवाचारों के साथ ही विभागीय संरचना और योजनाओं का सुदृढ़ीकरण व विस्तारीकरण भी किया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का असर धरातल पर दिखना चाहिए। प्रत्येक कार्य की समय-सीमा तय की जाए। सभी कार्यों में गुणवत्ता के साथ ही जन सुविधाओं का

ध्यान रखा जाए।

श्री साव ने बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों को नगरीय निकायों के सेट-अप पुनरीक्षण और वर्गीकरण के साथ ही रिक पदों पर भर्ती के लिए विस्तार तथा सामान्य प्रशासन विभाग से समन्वय कर स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी निकाय में अधिकारियों - कर्मचारियों को वे तन देने में विलंब की स्थिति नहीं निर्मित होना चाहिए। समय पर वेतन का भुगतान सुनिश्चित करें। साव ने नगरीय निकायों के सभी वार्डों में आबादी के हिसाब से समुचित स्ट्रीट लाइटिंग के निर्देश दिए। उन्होंने पार्षद निधि के तहत इसके प्रावधान का प्रस्ताव आगामी बैठक में प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने दीपावली के पहले सभी निकायों के प्रत्येक वार्ड में प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'वीमेन फॉर ट्री' के अंतर्गत नगरीय निकायों में किए जा रहे पौधरोपण के बारे में कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव की बात है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश के बाद छत्तीसगढ़ की सर्वाधिक संख्या में वृक्षारोपण की मंजूरी मिली

है। 'वीमेन फॉर ट्री' के अंतर्गत 27 करोड़ 48 लाख रुपए की लागत की 444 परियोजनाओं की स्वीकृति मिली है। अभियान के तहत विभिन्न नगरीय निकायों में कुल एक लाख 66 हजार पौधे लगाए जाएंगे। पौधरोपण के बाद एक वर्ष तक उनकी देखभाल और सुरक्षा का काम 1701 महिला समूहों को सौंपा गया है। बैठक में बताया गया कि 'वीमेन फॉर ट्री' के तहत अब तक एक लाख 33 हजार पौधे लगाए जा चुके हैं, जो अभियान के अंतर्गत स्वीकृत कुल पौधरोपण का 80 प्रतिशत है। साव ने शेष 20 प्रतिशत पौधरोपण को भी चालू सितम्बर माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने विभिन्न नगरीय निकायों में राज्य के बजट से स्वीकृत 21 जल प्रदाय परियोजनाओं और एसटीपी निर्माण के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने यथाशीघ्र इन कार्यों के प्राक्कलन व निविदा आदि की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं स्वच्छ भारत मिशन, अमृत मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए समय-सीमा में कार्यों का क्रियान्वयन करने को कहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की उप सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, राज्य शहरी विकास अधिकरण (सूडा) के सीईओ शशांक पाण्डेय, अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और मुख्य अभियंता राजेश शर्मा सहित नगरीय प्रशासन विभाग और सूडा के कई अधिकारी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

मितानिन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की रीढ़ : श्याम बिहारी जायसवाल

- मास्टर ट्रेनर केवल प्रशिक्षक ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक और परिवर्तन के वाहक : स्वास्थ्य मंत्री
- 6 दिवसीय राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न



रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यों को प्रभावी बनाने हेतु 8 सितंबर से आयोजित राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन आज हुआ। यह कार्यशाला पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुर्विज्ञानविद्यालय, छत्तीसगढ़ के एपिडेमियोलॉजी ब्लॉक में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मितानिन कार्यक्रम के कार्यक्रम समन्वयक,

जिला समन्वयक एवं परिषा कोऑर्डिनेटर सहित कुल 36 प्रतिभागी शामिल हुए।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मितानिन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की रीढ़ है, और इसे सशक्त बनाने के लिए ऐसे प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने मितानिन कार्यक्रम को राज्य का सबसे महत्वपूर्ण सामुदायिक स्वास्थ्य अभियान बताते हुए कहा कि इसे पूरी दुनिया सामुदायिक आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के सफल मॉडल के रूप में मान्यता दे चुकी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और सामुदायिक सशक्तिकरण पर निरंतर ध्यान केंद्रित कर रही है। सशक्त मास्टर ट्रेनर समुदाय और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच की दूरी को कम करेंगे और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा राज्य सरकार को प्राथमिकताओं के अनुरूप काम करेंगे।

उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान

किया कि वे अपने अनुभव साझा करें, निरंतर नवाचार करें और पंचायतों व स्वयं सहायता समूहों के साथ नई विधियों का प्रयोग करें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ की शुरुआत हर गाँव में उस मितानिन से शुरू होती है जो आपके द्वारा प्रशिक्षित और प्रेरित हुई है।

इस मौके पर आयुष यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. पी.के. पात्रा, संचालक स्वरूप सुश्रेष्ठ पाण्डेय, एम. के. मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी.पी. राजेश्वर और राज्य नोडल अधिकारी डॉ. अजय शंकर कन्नौज भी मौजूद रहे।

NECC			
14.09.2025 अंडा	मुर्गी	काक्रेल	
फार्म	542	92	190
लिटल	7.00	125	205
डिलीवरी	565	सैकड़	
मुर्गी खाद प्रति टनली 1000 रु.			
CSPFA			

जिंवेत शरदः शतम्

जन-जन के प्रिय भिलाई के लोकप्रिय एवं लाडले

भाई अतुल पर्वत

प्रदेश भाजपा नेता अध्यक्ष- भिलाई कैन इ. पर्वत फाउंडेशन

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

14 सितम्बर 2025

भिलाई की पावन धरा में भव्य संगीतमय सुंदरकाण्ड हनुमंत कृपा पात्र

रसरज जी महाराज के मुखारविंद से विशेष आकर्षण

अनुराग शर्मा लोकप्रिय बालाजी टेलीफिल्म अभिनेता

हेमा शर्मा बिग बॉस फेम वायरल भाभी

डॉली बिन्दा सबसे चर्चित बिग बॉस फेम

रिवुज भगत

राजवीर सिंग

अमिषक गुप्ता

नीलम इरोक्षर

रणजीत ठाकुर

रवि दीक्षित

अर्चना यदु

गुडू बेरान

दीपक भाई

अवि गुप्ता

क्रीमत सिंग लहरी

राहुल दासत

कमल भैया

राहुल दीक्षित

मिरी नायडू

जयदीप भाई

प्रियांक श्रीवास्तव

सात्विक तिवारी

रवि करुण्य

हिमांशु पर्वत

केतन शर्मा

गुरसिमरन सिंग

सत्येन्द्र पांडेय

मैश यदु

नवजीत सिंग

गुलशन विल्लियर

रित राज तमारकर

हपताल सिंग सेनी

मोटी सोनी

आयुष्मान झा

अमितेश शंकर भाई

अतुल किरवानी

प्रकाशक, मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए देशबन्धु परिसर रामसागरपारा रायपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव। प्रेस पंजीयन- 6072/59

फोन- (0771) 4077750, 4077760, email id: deshbandhuraipur@gmail.com, website:deshbandhu.co.in

